



दिनांक 20.04.2002

A + R -

माननीय न्यायालय राजव मण्डल मध्यप्रदेश ग्वालियर
प्रक्रां 12002 निारानी

नरेन्द्रसिंह पिता हरिसिंह जाति राजपुत
निवासी बागर तहसील बागर जिला शाजापुर
----- अपीलान्ट

विरुद्ध

- १- मध्यप्रदेश शासन
- २- मांगू पिता धुलाजी जाति कुम्हार
निवासी ग्राम मल्लपुरा तहसील बर्दा
----- रेषाडिक्स

R-1078-12/2002

श्री. राजेश चन्द्र शर्मा
कॉमि. लॉयड्स क्लॉक

दिनांक 23-4-02
का. अ. नं. 11/02

श्री. प्रदीप

कॉमि.
23-4-02
कॉड

माननीय अधिनस्थ न्यायालय अपर वायुक्त उज्जैन संभाग उज्जैन के
प्रक्रां 2681 1884-86 अपील में पारित आदेश दि० 20-2-2002
से अन्तुष्ट होकर के यह निारानी संख्या की धारा 40 के तहत
प्रस्तुत है।

माननीय महोदय,

अपीलान्ट क. बा. से अपील निम्नानुसार प्रस्तुत है :-

- १- यहकि माननीय अधिनस्थ न्यायालय का विवाक्ति आदेश विधि एवं विधान के विपरित होने से निरस्तकिये जाने योग्य है।
- २- यह कि माननीय अधिनस्थ न्यायालय ने इस बात पर विचारण नहीं किया है कि तहसीलदार महोदय के द्वारा दि० 20-2-02 का आदेश बिना कोई विधि की प्रक्रिया के पालन किये पारित किया है वह निरस्त किये जाने योग्य था परन्तु ऐसा न करने में अधिनस्थ न्यायालय ने त्रुटि की है।
- ३- यह कि माननीय अधिनस्थ न्यायालय ने इस बात पर विचार ही नहीं किया कि तहसीलदार ने सै नं० 488 एवं उसका न्या नम्बर

3

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
26-12-18	<p>आवेदक: डा. अशोक श्री 2-10 2-10 सिलाईदिमा उपा। आवेदक: डा. अशोक द्वारा प्रकाश नोट प्रेस के सभाल- कार्य का निवेदन किया गया। आवेदक डा. अशोक का निवेदन स्वीकार किया जाना है। प्रकाश प्रेस- पा नोट प्रेस के सभाल- किया जाना है। प्रकाश प्रेस- ही।</p> <p style="text-align: right;">प्रो. सहाय</p>	<p>महोदय 26.12</p>